B.Ed 1st year (20-2) EPC-3 (ICT)

E-magzine

जो पत्रिका computer पर लिखी जाए और computer पर पढ़ी जाए उसको इलेक्ट्रानिक पत्रिका कहते हैं। बहुत सी E-पत्रिकाए PDF (Portable Document Format) प्रारूप में तैयार की जाती है और बहुत M.S. word में। ये E-mail के द्वारा पाठको के पास भेजी जाती है या फिर Download के लिए भी उपलब्ध होती है। बहुत सी कंपनिया अपने News letter Electronic-पत्रिका के रूप में प्रकाशित करती है।

पत्र-पत्रिकाएँ मानव समाज की दिशा-निर्देशिका मानी जाती है। समाज के भीतर घटीत घटनाओ से लेकर, परिवेश की समझ उत्पन्न करने का कार्य पत्रकारिता का प्रथम महत्वपूर्ण कर्तव्य है। यह अध्ययन करना अपने-आप में अत्यंत रोचक है कि पत्रकारिता की यात्रा कब और कहा से आरम्भ हुई।

आजादी से पूर्व का युग राष्ट्रीयता के विकास का युग था। इस युग का मिशन और जीवन का एक ही उद्देश्य था: स्वाधीनता की चाह और प्राप्ति का प्रयास। इस प्रयास के तहत ही हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का आरम्भ हुआ। हिंदी भाषा का प्रथम समाचार पत्र 'उदन्तमार्तण्ड' 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं० युगल किशोर शुक्ल ने निकाला। 'उदन्तमार्तण्ड' का मुख्य उद्देश्य भारतीयों को जाग्रत करना तथा भारतीयो की हित की रक्षा करना था।

⇒ ई-पत्रिका के गुण :-

1. यह छात्रों हेतु आसानी से उपलब्ध होती है।
2. इसमें प्रकाशित सूचनाएं सत्य एवं गुणवत्तापूर्ण होती है।
3. इसकी सूचनाऐं सार्वजनिक रूप से प्रकाशित होती है।
4. इसे किसी भी स्थान पर देखा या पढ़ा जा सकता है।

⇒ ई-पत्रिका की शैक्षिक उपयोगिता :-

1. ई-पत्रिकाओं में समाज, विज्ञान, शिक्षा एवं उद्योगो से संबंधित लेखो की प्रमुखता होती है।
2. ई-पत्रिकाओं का सम्पादन विशिष्ट समूह के माध्यम से होता है इसलिए सूचनाऐं सत्य एवं उपयोगी सिद्ध होती है।
3. इसका उपयोग छात्र विभिन्न प्रकार की भाषा एवं विदेशी भाषा सीखने हेतु करता है।
4. इसके माध्यम से शिक्षक अपने छात्रों हेतु विभिन्न सूचनाऐं एवं पाठ्य सामग्री को उपलब्ध कराकर उनके अध्ययन में सहायता करते है।

Educomp smart classes:-

Educomp smart classes एक आकर्षित करने वाला कलास है जिसमे बच्चों को Animation, Graphics, weblink के द्वारा पढ़ाया जाता है। Smart class अधिक प्रमाण और graphics उपयोग करता है। जो छात्रों को तेजी से समझने और सीखने के लिए मदद करता है। Educomp कक्षा में smart class और ICT की माध्यम से digital शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराने में लगी हुई है।

विद्यालय में शिक्षा की तस्वीर बदल रही है। अब कक्षाओं में छात्रों की पढ़ाई पहले से ज्यादा सुविधा जनक एवं हाईटेक हो गई है। देश के कई विद्यालयों में Blackboard की जगह Projector, शिक्षक के हाथ में चॉक की जगह स्टाइलिस डिवाइस और बच्चों के हाथ में पेन/पेंसिल की जगह Remot-control आ गए है। ऐसे में इसे विकासशील देश में शिक्षा की नई तस्वीर कहा जा सकता है।

नई तकनीकी से शिक्षा ले रहे छात्र-छात्राओं की पढ़ाई केवल किताबों तक सीमित नहीं है। पढ़ाई के इस नए तरीके ने बच्चों को हर चीज video, Picture और graphics के जरिए समझाई जाती है। Test लेने के लिए भी हाईटेक तरीके का इस्तेमाल हो रहा है। Projector के पर

प्रश्न दिखते ही छात्र Remot के जरिए अपना जवाब देंगे और तुरंत सही और गलत का पता चल जाएगा। पढ़ाई का तरीका बदलने वाली ये Technology न सिर्फ बच्चों के लिए दिलचस्प है बल्कि शिक्षक के लिए भी आसान है।

E-Journals :

Journals में डायरी की भाँति दैनिक लेखा नहीं होता है। मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक होता है। 20 वीं शताब्दी में Journals का प्रयोग पत्रिकाओं और समीक्षापत्रों के लिए होता है। Journals शोध-कर्ताओं के लिए लिखी जाती है। जो किसी एक वस्तु पर शोध किया जाता है। Journals को छापने से पहले किसी विशेषज्ञ द्वारा पहले उसे Practical कर के दिखाई जाती है। और बाद में छापने के लिए भेजा जाता है।

P.P.T (Power Point) स्लाइड्स बनाना और उनका

Presentation करना :

Microsoft कंपनी ने कई महत्वपूर्ण तथा उपयोगी computer software लॉन्च किये है। Microsoft कंपनी ने M.S. Power Point नामक एक software लॉन्च किया। Power Point software वास्तविक रूप से M.S. office का ही एक अंग है।

वर्तमान युग को हम सूचना प्रौद्योगिकी का युग कह सकते है। आज प्रत्येक औद्योगिक इकाई तथा व्यवसायिक प्रतिष्ठान सूचना प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर marketing कर रहा है। वे अपने उत्पाद तथा उत्पाद से संबंधित तथ्यों को अधिक से अधिक प्रभावी रूप से प्रस्तुत करना चाहती है।

1. प्रस्तुतीकरण (Presentation): user अपने विचारों, तथ्यों तथा सूचनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए Power point को बहुत ही सुविधा के साथ प्रयोग कर सकता है। user श्रव्य (Audio), दृश्य (Visual) तथा पाठ्य (Text) सभी प्रकार की सूचनाओं को प्रभावी रूप से प्रस्तुत कर सकता है।

2. प्रभाव देना (To Give effect): Power point की सहायता से Presentation करते समय user अपने Presentation को अधिक प्रभावी रूप प्रदान करने के लिए विभिन्न उपाय कर सकता है -

(i) आवाज को प्रभावी बनाकर अन्य व्यक्ति के आवाज का भी समावेश कर सकता है।

(ii) Picture की सहायता लेकर Presentation को प्रभावी बनाना।

(iii) रंगों का उपयोग करके Presentation को प्रभावी बनाना।

3. Presentation slides:- user 35mm slides ~~और~~ तैयार कर इन स्लाइडो को still Projector की सहायता से बड़े पर्दे पर विस्तार से अपना प्रस्तुतिकरण कर सकता है।

4. Wizard: Power point की सबसे उत्तम व्यवस्था wizard की है। wizard user को Power Point पर कार्य करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

5. Web Presentation:- user जब अपना प्रस्तुतीकरण कर रहा होता है तब वह अपने प्रस्तुतीकरण को Internet के किसी भी server से जोड़ कर अपने Presentation को दूसरे computer में देख सकता है

NOTE:- DO YOU (H.W)

⇒ शिक्षा में समाचार पत्र की उपयोगिता।

End of unit-2. and End of your syllabus...

unit 3 only for Practical.